

DPN 6948

Title : दशकर्म ~~2-4~~ DAŚAKARMA

Run. No. 7673

Cat. No.

Micro. No.

Subject Ritual

Religion : Hindu / Bauddha ✓

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 6.5 x 16.5

(1-2, 5, 8)
Folios 4

Lines (in a page) 6 / 5

Compl. / Incompl. ✓

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyasaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

Beg. ॐ नमः बुद्धाय ॥ तद्गुणं, क्रियासंग्रह ॥ ॥ इदानीं विहार प्रतिष्ठायेते ॥

ॐ नमः शिवाय ॥ गङ्गा गङ्गा दियामुं गङ्गा ॥ ॐ दानि विद्वानपुः
 निष्ठावत ॥ गङ्गा त्रिष्यन्त्र विद्वान् ॥ नय कर्म कृत्वा लुङ्गा गङ्गा यित्वा
 यवादी नानान् कान्नेच्छ ॥ विविग मलुयन् ॥ यनय च सुगुकात्
 विय ॥ कायलस्युकायाद विया ॥ अ ॥ वलगत हलस ॥ यत हल
 सायुखान ॥ द्वाक्षलखान लोक ॥ यत ॥ का सखद विधात सधाय ॥
 अरु नवि ॥ याखान दू ॥ यत दूयक ॥ यच सुगुका ॥ कुमानि सुगुका

ॐ नमः शिवाय ॥

१०

न वा वाहसवच्छायः॥ धनरावना॥ गग० उ० स्वस्ववृद्धा सर्व
धर्मी० स्वरावृद्धादं॥ ००० वायु कौशाका (भयलमविशयः॥
यं कात्रनवायुमजुनं नका नलः निमजुन॥ वं कात्रनम
हासमूडं॥ तगमध्वपित॥ नं कात्रनवगुनसं चिह्नमद
दमयं॥ तद्वयत्रिसंकात्रं मध्वनलमयं सुमनविशय॥ तद्वय
त्रिहं कालनविश्ववज्रमशिरुसि विशय॥ ततः० मध्वभीतरं०

५०

यथाकृता तद्वतिथिदिलकृता॥ अगस्त्यसतगं नाथरवायूष्यादिका
मान्गृहान् अमृकस्याथयवाधिसत्त्वपृष्ठय सन्नाहनं गुमां वृद्धा
जगवज्रकियाथदा सुनसुवा धिसत्त्वाथयत्रिना मरुदव
तात्राकपानाथरुगसत्राधिया सिता भसनागिनता सत्त्वा
थकविद्वज्रवृद्धा अमृकी इह मदावजिपुतिष्ठाविधिसमृता
। कलिषामि जगसुद्धे यथाभक्तुप्रवावकी मरुकस्यामृपादाय स

12

द्विष्टायात्रतर्मसंस्मृत्याभ्युतिष्ठायासानिर्ध्वं तर्द्धमदथशा स्वयदय
 दय३॥ अथमसदनजर्मसदलजिवितं वम॥ तसमयसर्ववृद्धि
 निमकुनाग॥ त्यादि॥ तनाह द्विजनस्मिद्धसाकृष्टानद
 ववतमाकृष्टा॥ उं वजांकुणम् डादिकाय॥ पाशादी॥ निलाज
 ॥ जकुं वंशा॥ विप्रवसय॥ दवतं विम्वनथमश्च पदाविशकन
 जागृडागनया॥ सिंधुत्रगावनि लवददशामि॥ तगु४म्

12

नासालिवश्रादित कुरुमयायनार्थशकं कंदानावादकाय
 गलि ससुंदाहानय॥ उं श्रादिश्रवासस्यस्वाहा॥ ॥ उं श्रा
 निनकरुं वन स्वाहा॥ वन वनविगततित्रक॥ पूषादि
 पूजा लाष्मिद्यध्मवादनम् ॥ त॥ उं वजांवणहा॥ वजाव
 समुदानघध्मस्यं सनाकर॥ धनालिवजकायाडा॥ विजया
 सथन॥ उं मादस॥ शकपौथस॥ हं नगुं सु॥ किं निवात

१४

॥ जं ॥ स्रयतिनियं ॥ अं ॥ सा ॥ गं ॥ मू ॥ तु ॥ स ॥ कं ॥ क ॥ य ॥ न ॥ स ॥ स ॥
 ल ॥ रू ॥ स ॥ व ॥ ऊ ॥ न ॥ थ ॥ ति ॥ वि ॥ ज ॥ न ॥ ऊ ॥ न ॥ द ॥ व ॥ या ॥ स ॥ नि ॥ न ॥ अ ॥ धि ॥ छ ॥ न ॥ वे
 ल ॥ क ॥ न ॥ रा ॥ त ॥ पू ॥ जा ॥ या ॥ न ॥ अ ॥ ज ॥ न ॥ म ॥ ना ॥ का ॥ न ॥ व ॥ का ॥ य ॥ ॥ ॥
 हा ॥ पु ॥ ति ॥ श्वा ॥ ना ॥ स ॥ म ॥ ह ॥ नि ॥ स ॥ ध ॥ न ॥ क ॥ सि ॥ स ॥ का ॥ या ॥ व ॥ म ॥ का ॥ न ॥ ग ॥ का ॥
 न ॥ त ॥ अ ॥ ऊ ॥ न ॥ न ॥ जा ॥ त ॥ श ॥ व ॥ ल ॥ न ॥ य ॥ व ॥ द ॥ स ॥ र ॥ य ॥ ल ॥ ज ॥ व ॥ मि ॥ त्वा ॥ अ ॥ व ॥
 मि ॥ त्वा ॥ नि ॥ व ॥ उ ॥ स ॥ रा ॥ न ॥ य ॥ अ ॥ ज ॥ न ॥ व ॥ ल ॥ ॥ वे ॥ ल ॥ क ॥ न ॥ न ॥ मि ॥ त्वा ॥ क ॥

५५

मा ॥ ड ॥ नि ॥ त ॥ र ॥ क ॥ न ॥ ग ॥ ड ॥ मि ॥ ना ॥ स ॥ वा ॥ का ॥ न ॥ स ॥ ध ॥ उ ॥ य ॥ नि ॥ पू ॥ ल ॥ वि ॥ ला ॥ य ॥
 न ॥ रा ॥ ग ॥ य ॥ ॥ स ॥ ह ॥ द ॥ या ॥ ना ॥ मा ॥ ऊ ॥ न ॥ म ॥ ग ॥ नि ॥ वा ॥ र्थ ॥ द ॥ व ॥ ता ॥ ह ॥ द ॥ य ॥ प्र ॥ व ॥
 स ॥ य ॥ त्वा ॥ स ॥ (धे ॥ र ॥ रु ॥ ना ॥ दि ॥ क ॥ रु ॥ ला ॥ ॥ ध ॥ न ॥ नि ॥ वा ॥ आ ॥ वा ॥ र्थ ॥
 थ ॥ डा ॥ ह ॥ द ॥ य ॥ म ॥ कु ॥ व ॥ द ॥ व ॥ या ॥ ना ॥ म ॥ ऊ ॥ न ॥ त ॥ र ॥ य ॥ ॥ म ॥ त ॥ या ॥ कि ॥ न ॥
 न ॥ व ॥ द ॥ (ध ॥ आ ॥ का ॥ स ॥ ग ॥ र्थ ॥ द ॥ रु ॥ न ॥ व ॥ या ॥ डा ॥ ह ॥ द ॥ य ॥ आ ॥ हा ॥ स ॥ त ॥ या ॥ डा ॥

११
दवयाक इविक सात्रया ॥ अकयल पाशादि नीला ऊनात
ता ४३ गुं अयं हूं ॥ धनमकुनयं वा मुन यधरग धनमकुनक
सयिनाव कलसत्रं यनमान ॥ धननिनसाकविकन ४
यूखान दाक्षया सतागया ॥ मकुथा ३ सर्वतधगतकायविश्व
धनहूं खाहा ॥ धनत्रियत्र यकनन खान ॥ गथधराय ४